डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–15
दिनांक– शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.2 एवं 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 50 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 15.9 एवं दोपहर में 30.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(21–25 फरवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 21–25 फरवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 28 से 31 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 14 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।
- औसतन 3–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में तापमान में वृद्धि की संभावना को देखते हुए मटर, टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज एवं पत्ता गोभी जैसी लगी हुई सब्जी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें ताकि पौधों में नमी की कमी न हो। गरमा सब्जियों की बुआई का यह उपयुक्त समय है। भिंडी के लिए परभनी क्रांति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार एवं के.एस.–312य लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रोलिफिक लांग एवं पूसा समर प्रोलिफिक राउंडय नेनुआ के लिए राजेन्द्र नेनुआ–1, पूसा चिकनी, पूसा प्रिया एवं कल्याणपुर चिकनीय तथा करेला के लिए पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लांग, पंत करेला एवं कल्याणपुर बारहमासी किस्में अनुशंसित हैं। स्वस्थ एवं रोगमुक्त फसल हेतु बुआई से पूर्व बीजों को उचित फफूंदनाशी से उपचारित करना आवश्यक है।
- सूर्यमुखी की बुआई करें। बुआई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किलोग्राम नत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर एवं 40 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुशंसित है। संकर किस्मों के लिए 5 किलोग्राम तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ से उपचारित करें।
- गरमा मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 10–15 टन गोबर की खाद, 50 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। सुवान, देवकी, गंगा–11, शक्तिमान–1, 2, 3, 4 एवं शक्तिमान–5 किस्में अनुशंसित हैं। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा बुआई से पूर्व प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ से उपचारित करें।
- बसंतकालीन ईख (गन्ना) एवं शकरकंद की रोपाई/बुआई करें। अक्टूबर–नवंबर में रोपी गई गन्ने की फसल में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे।
- केला की सूखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें। प्रति पौधा 200 ग्राम यूरिया, 200 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करें। जुलाई माह में लगाए गए पपीता बगीचे में निकाई–गुड़ाई कर प्रति पौधा 100 ग्राम यूरिया, 50 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग कर हल्की सिंचाई करें।
- रबी मक्का में धनबाल एवं मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था तक पर्याप्त नमी बनाए रखें। अगात बोई गई गेहूं की फसल में दाना बनने से दूध भरने की अवस्था के दौरान विशेष रूप से सिंचाई का ध्यान रखें, क्योंकि इस समय नमी की कमी से उपज में गिरावट आती है।
- पिछात बोई गई सरसों में लाही (एफिड) कीट के प्रकोप की संभावना रहती है। नियमित निगरानी करें। प्रकोप होने पर डाइमेथोएट 30 ई.सी. दवा की 1.0 मि.ली. मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर समान रूप से छिड़काव करें।
- प्याज की फसल में थ्रिप्स प्रमुख कीट है, जिसकी सक्रियता तापमान बढ़ने पर बढ़ जाती है। यह सूक्ष्म कीट पत्तियों से रस चूसकर उन्हें टेढ़ा–मेढ़ा बना देता है तथा पत्तियों पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं, जिससे उपज प्रभावित होती है। अधिक प्रकोप की स्थिति में प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. की 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड की 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 29.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 12.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी